2 वर्ण-विचार

चित्र देखकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- लड़की ने क्या वाक्य बोला? ____________
- बिल्ली के मुख से क्या शब्द निकला? ____________
- 'म्याऊँ' में निहित वर्ण अलग-अलग करके लिखें। ____________
- क्या इन वर्णों को और तोड़ा जा सकता है? ____________

वाक्य शब्दों से तथा शब्द वर्णों से मिलकर बनते हैं। वर्ण मौखिक ध्वनि के लिए निश्चित चिह्न होते हैं। वाक्यों के खंड शब्द तथा शब्दों के खंड वर्ण हो सकते हैं। परंतु, वर्ण के खंड नहीं हो सकते।

> भाषा की वह सर्वाधिक छोटी इकाई, जिसके और खंड नहीं किए जा सकते, वर्ण कहलाती है।

वर्णमाला

किसी भी भाषा को केवल एक वर्ण से नहीं सीखा जा सकता। भाषा सीखने के लिए बहुत सारे वर्णों को सीखना आवश्यक होता है। किसी भाषा को सीखने के लिए आवश्यक सभी वर्णों का व्यवस्थित तथा क्रमबद्ध समूह वर्णमाला कहलाता है। वर्णमाला के ज्ञान के बिना किसी भाषा को सीखना संभव नहीं होता।

इ/ई-संबंधी अशुद्धियाँ

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
कवी	कवि	दवाईयाँ	दवाइयाँ
मुनी	मुनि	क्योंकी	क्योंकि
पक्षि	पक्षी	परिक्षण	परीक्षण
तीथि	तिथि	नदि	नदी
निरोग	नीरोग	उन्नती	उन्नति

उ/ऊ-संबंधी अशुद्धियाँ

उँचाई	ऊँचाई	सुची	सूची
प्रभू	प्रभु	गुरू	गुरु
शुरु	शुरू	हिंदु	हिंदू
ज़रुर	ज़रूर	रूपया	रुपया
साधू	साधु	गेहुँ	गेहूँ

ऋ-संबंधी अशुद्धियाँ

श्रृंगार	शृंगार	ग्रहस्थ	गृहस्थ
द्रश्य	दृश्य	ग्रहणी	गृहिणी
क्रपा	कृपा	रितु	ऋतु
घ्रणा	घृणा	रिषी	ऋषि

ए/ऐ-संबंधी अशुद्धियाँ

चाहिये	चाहिए	ऐसा	ऐसा
सैना	सेना	सदेव	सदैव
एनक	ऐनक	पेदावार	पैदावार
एतिहासिक	ऐतिहासिक	देनिक	दैनिक

ओ/औ-संबंधी अशुद्धियाँ

रौशनी	रोशनी	पोधा	पौधा
बोद्धिक	बौद्धिक	भोगोलिक	भौगोलिक
पोराणिक	पौराणिक	मनोती	मनौती
ओकात	औकात	ओद्योगिक	औद्योगिक

2. **शब्द में आए सभी वर्ण अलग कीजिए।**

क. सज्जन ___ + ___ + ___ + ___ + ___ + ___ + ___

ख. गट्ठर ___ + ___ + ___ + ___ + ___ + ___ + ___

ग. डॉक्टर ___ + ___ + ___ + ___ + ___ + ___ + ___

घ. फ़सल ___ + ___ + ___ + ___ + ___ + ___

3. क, ख, ग, घ, ङ का उच्चारण कीजिए।

इनका उच्चारण करते समय जिह्वा कंठ से स्पर्श करती है।

स्पर्श व्यंजनों को बोलते समय जिह्वा मुख के किसी-न-किसी भाग का स्पर्श करती है।

इन स्पर्श व्यंजनों को बोलें तथा सही उच्चारण स्थल से मिलाएँ।

क. च छ ज झ ञ	मूर्धा
ख. ट ठ ड ढ ण	तालु
ग. त थ द ध न	ओष्ठ
घ. प फ ब भ म	दंत

4. **दिए गए शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए।**

क. संसारिक	___	ख. दवाईयाँ	___
ग. गुरू	___	घ. श्रृंगार	___
ङ. एतिहासिक	___	च. भोगोलिक	___

5. **प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

क. ह्रस्व स्वर दीर्घ स्वर से किस प्रकार भिन्न हैं?

ख. स्पर्श व्यंजन तथा ऊष्म व्यंजन में प्रमुख अंतर क्या है?

कार्यकलाप

उच्चारण स्थल के आधार पर ध्वनियों का वर्गीकरण करते हुए एक चार्ट बनाकर कक्षा में लगाइए।

जाना-समझा

कुछ विद्वान प्लुत स्वरों को भी स्वरों का एक भेद मानते हैं। प्लुत स्वरों का प्रयोग अधिकतर संस्कृत शब्दों में किया जाता है। इनके उच्चारण में तीन मात्रा का समय लगता है, जिसे '३' के चिह्न द्वारा दर्शाया जाता है; जैसे—ओ३म।

हमने जाना

- दो ध्वनियों के मेल से उनमें होनेवाले रूप-परिवर्तन को संधि कहते हैं।
- संधि तीन प्रकार की होती है—स्वर संधि, व्यंजन संधि तथा विसर्ग संधि।
- स्वर संधि दो स्वरों के मध्य होती है। इसके पाँच भेद हैं—दीर्घ, गुण, वृद्धि, यण तथा अयादि।
- व्यंजन संधि दो व्यंजनों के मध्य या व्यंजन तथा स्वर के मध्य होती है।
- विसर्ग संधि में विसर्ग का मेल स्वर अथवा व्यंजन से होता है।

आओ कुछ करें

1. सही विकल्प पर गोला लगाइए।

क. संधि किए हुए शब्दों को संधि-पूर्व स्थिति में लाना क्या कहलाता है?

संधि-विग्रह संधि-विच्छेद संधि-वियोग

ख. स्वर संधि किनके मध्य होती है?

दो स्वरों के दो व्यंजनों के स्वर तथा व्यंजन के

2. संधि करें तथा संधि का नियम लिखिए।

	संधि	संधि का नियम
क. हिम + आलय	हिमालय	अ + आ = आ
ख. हरि + इच्छा	______	______
ग. सु + उक्ति	______	______
घ. रेखा + अंकित	______	______
ङ. पर + उपकार	______	______
च. मत + ऐक्य	______	______
छ. परि + आवरण	______	______

3. संधि-विच्छेद कीजिए।

क. दिग्गज ______ + ______ **ख.** अहंकार ______ + ______

ग. षडानन ______ + ______ **घ.** संचय ______ + ______

6 विलोम शब्द

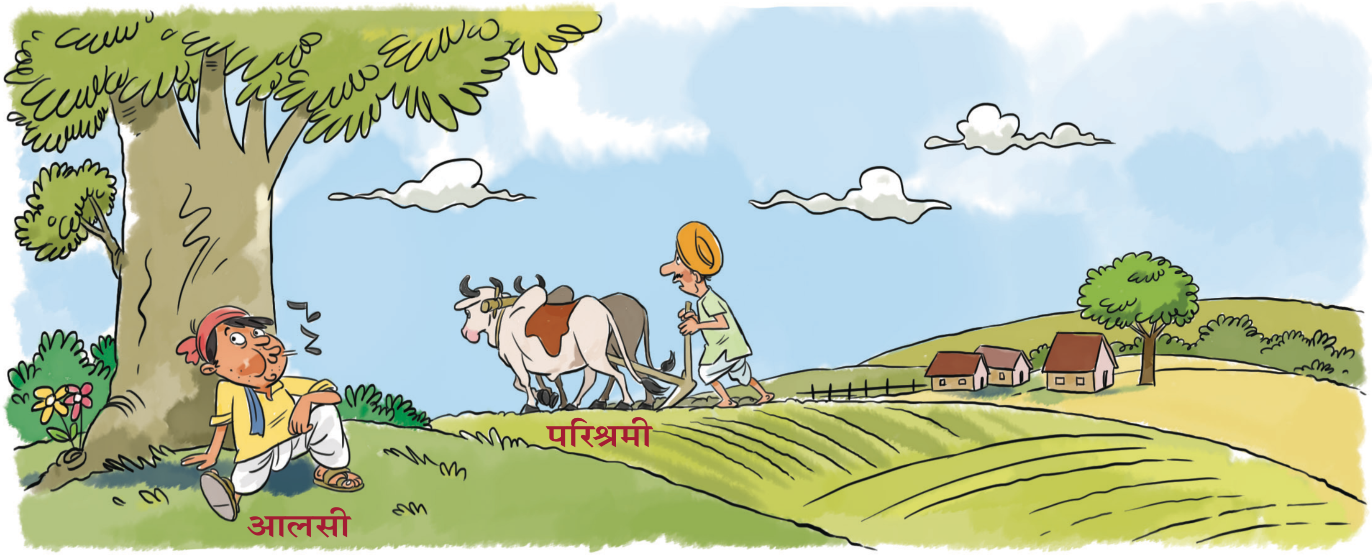

चित्र देखकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- आलसी व्यक्ति क्या कर रहा है? ____________________
- परिश्रमी व्यक्ति क्या कर रहा है? ____________________
- क्या दोनों व्यक्ति समान गुणों का प्रदर्शन कर रहे हैं? ____________________

चित्र में आलसी और परिश्रमी व्यक्ति दिखाई दे रहे हैं। दोनों व्यक्ति गुणों में एकदम विपरीत हैं। उनके गुणों को प्रदर्शित करनेवाले शब्द 'आलसी' तथा 'परिश्रमी' बिलकुल विपरीत अर्थ दे रहे हैं।

ऐसे शब्द, जो विपरीत अर्थ प्रदर्शित करें, विलोम शब्द कहलाते हैं।

विलोम शब्दों के कुछ उदाहरण पढ़िए तथा समझिए।

1.	अधिक	न्यून	8.	आदान	प्रदान
2.	अनुकूल	प्रतिकूल	9.	आरंभ	अंत
3.	अनुराग	विराग	10.	आस्तिक	नास्तिक
4.	अतिवृष्टि	अनावृष्टि	11.	आरोह	अवरोह
5.	अनिवार्य	ऐच्छिक	12.	आज्ञा	अवज्ञा
6.	अपव्ययी	मितव्ययी	13.	इच्छा	अनिच्छा
7.	आदर	निरादर	14.	उत्तम	अधम

9 अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

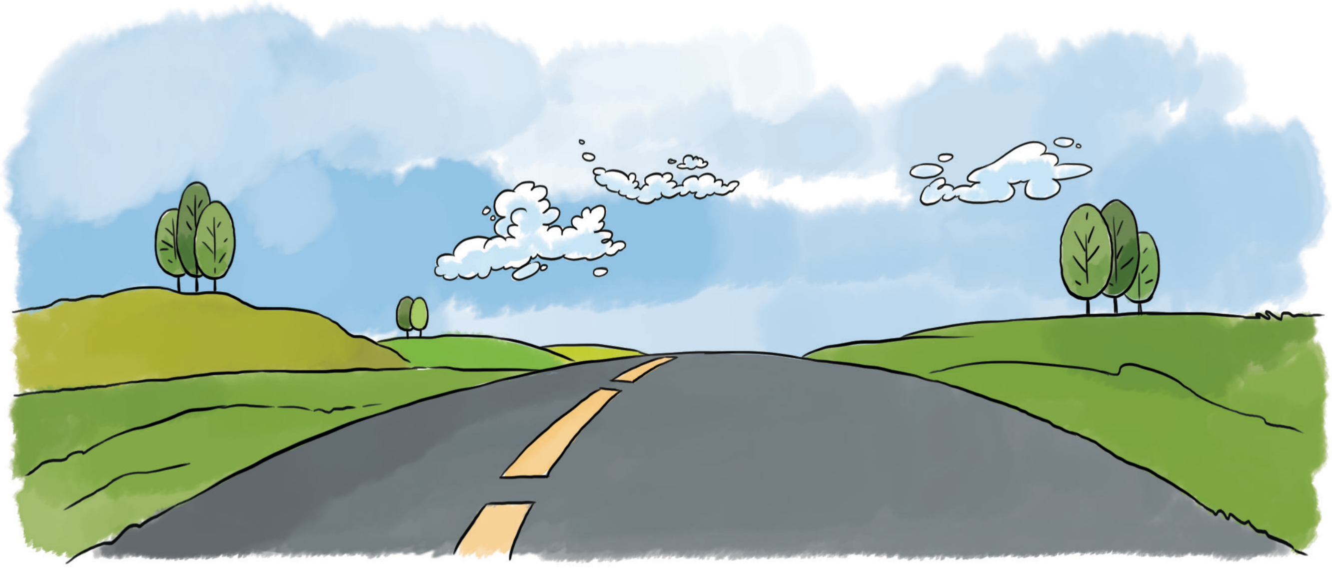

चित्र देखकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है? ______________________
- क्या धरती और आकाश मिलते हुए प्रतीत हो रहे हैं? ______________________
- जिस स्थान पर दोनों मिलते प्रतीत होते हैं, उसे क्या कहते हैं? ______________________

धरती और आकाश जिस स्थान पर मिलते हुए प्रतीत होते हैं, उसे क्षितिज कहते हैं। यहाँ एक लंबे वाक्य के लिए एक छोटा-सा शब्द दिया गया है। वाक्यांश के लिए प्रयुक्त इस प्रकार के शब्द 'अनेक शब्दों के लिए एक शब्द' कहलाते हैं। इन्हें 'वाक्यांश के लिए एक शब्द' भी कहते हैं।

अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द लिखना अनेक शब्दों के लिए एक शब्द कहलाता है।

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं—

1. जो दिखाई न दे	अदृश्य
2. जिसका अंत न हो	अनंत
3. जो कभी न मरे	अमर
4. जो कभी बूढ़ा न हो	अजर
5. जीने की प्रबल इच्छा	जिजीविषा
6. जो सहन न किया जा सके	असहनीय

7. जो ईश्वर में विश्वास रखता हो	आस्तिक
8. जो ईश्वर में विश्वास न रखता हो	नास्तिक
9. जिसका इलाज न हो	लाइलाज
10. जिसमें धैर्य न हो	अधीर
11. जिसका कोई कारण न हो	अकारण
12. अत्याचार करनेवाला	अत्याचारी
13. अचानक होनेवाला	आकस्मिक
14. जो पढ़ा-लिखा न हो	अशिक्षित
15. दोपहर से पूर्व का समय	पूर्वाह्न
16. दोपहर के बाद का समय	अपराह्न
17. जो किसी का पक्ष न ले	निष्पक्ष
18. किसी का पक्ष लेनेवाला	पक्षपाती

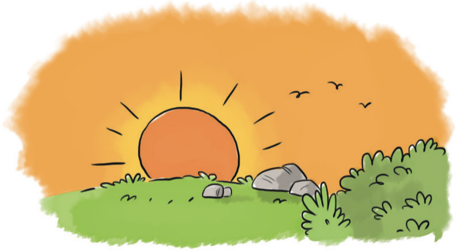

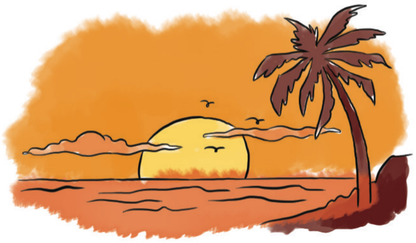

सोचो और बताओ

नगर में रहनेवाला __________ गाँव में रहनेवाला __________

19. कम भोजन करनेवाला	अल्पाहारी
20. जिसे पढ़ा न गया हो	अपठित
21. जिसे कहा न जा सके	अकथनीय
22. जिसपर विश्वास किया जा सके	विश्वसनीय
23. जिसपर विश्वास न किया जा सके	अविश्वसनीय
24. सदा सत्य बोलनेवाला	सत्यवादी
25. जो सबमें रहनेवाला हो	सर्वव्यापक
26. रचना करनेवाला	रचयिता
27. जिसमें ममता न हो	निर्मम
28. जिसके मन में कपट न हो	निष्कपट
29. जिसमें रस न हो	नीरस
30. जिसमें रस हो	सरस
31. जल में रहनेवाला	जलचर
32. थल पर रहनेवाला	थलचर
33. नभ में विचरण करनेवाला	नभचर
34. जिसकी कल्पना न की जा सके	अकल्पनीय

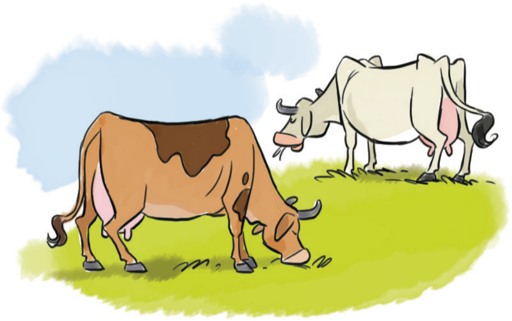

आओ दोहराएँ 1 (पाठ 1 से 10 तक)

1. सही विकल्प पर गोला लगाइए।

क. स्वतंत्र ध्वनियाँ कौन-सी हैं?

व्यंजन　　संयुक्त व्यंजन　　स्वर

ख. स्वर संधि किनके मध्य होती है?

दो स्वरों के　　दो व्यंजनों के　　स्वरों तथा व्यंजनों के

2. रिक्त स्थानों को भरिए।

क. बोली भाषा का ________ रूप होती है।

ख. बातचीत करते समय हम ________ भाषा का प्रयोग करते हैं।

3. दिए गए शब्दों के लिए वाक्यांश लिखिए।

क. अल्पाहारी ________

ख. मितव्ययी ________

4. दिए गए शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए।

क. सज्जन ___ + ___ + ___ + ___ + ___ + ___ + ___

ख. डॉक्टर ___ + ___ + ___ + ___ + ___ + ___ + ___

5. दिए गए शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए।

क. श्रृंगार ________　　ख. भोगोलिक ________

ग. गुरू ________　　घ. दवाईयाँ ________

6. संधि-विच्छेद कीजिए।

क. उद्धार ______ + ______　　ख. चिकित्सालय ______ + ______

ग. सन्मार्ग ______ + ______　　घ. मनोभाव ______ + ______

7. उत्पत्ति के आधार पर शब्द-भेद लिखिए।

क. घंटिका ________　　ख. तोप ________

ग. नाच ________　　घ. खिचड़ी ________

8. दो-दो पर्यायवाची रूप लिखिए।

क. हिरण ______ ______　　ख. उपहार ______ ______

ग. काया ______ ______　　घ. निपुण ______ ______

9. विलोम शब्द लिखिए।

क. महात्मा ________　　ख. आस्तिक ________

ग. चेतन ________　　घ. निर्माण ________

10. वाक्य बनाकर अर्थ स्पष्ट कीजिए।

क. बहुमूल्य ________

ख. अमूल्य ________

11. सही विकल्प से रिक्त स्थानों को भरिए।

क. खेतों में ________ लहलहा रहा था।　　(धन/धान)

ख. आज मेरी परीक्षा का ________ आनेवाला है।　　(परिमाण/परिणाम)

12. वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए।

क. तुम इस पुरस्कार के योग नहीं हो। ________

ख. मेरे मन में आपके लिए समान का भाव है। ________

आओ कुछ करें

1. सही विकल्प पर गोला लगाइए।

क. 'मैं बहुत व्यस्त था, अतः आ न सका।' वाक्य में प्रयुक्त समुच्चयबोधक कौन-सा है?

बहुत　　　　अतः　　　　व्यस्त

ख. 'तुम मेरे साथ चलोगे या मीरा के साथ।' वाक्य में प्रयुक्त समुच्चयबोधक कौन-सा है?

साथ　　　　चलोगे　　　　या

2. सही मिलान कीजिए।

क. रोहित बड़ा है	और	तुम रोहित से बड़े हो।
ख. मुझे पुस्तकें पढ़ने का शौक है	या	नई-नई पुस्तकें पढ़ता रहता हूँ।
ग. आनंद	मगर	मयंक शिमला से कल ही लौटे हैं।
घ. मैं घर जाऊँगा	ताकि	इतनी जल्दी नहीं।
ङ. मैं बहुत ध्यानपूर्वक काम कर रहा था	इसलिए	कोई गलती न छूट जाए।

3. समुच्चयबोधक शब्दों द्वारा जोड़कर वाक्य बनाइए।

क. हवा चल रही थी। पौधे लहलहा रहे थे। ____________________

ख. मुझे चुप रहना चाहिए। उससे कुछ पूछना चाहिए। ____________________

ग. वह बातें बनाता है। काम नहीं करता। ____________________

घ. सावधानी से चलो! चोट न लगे। ____________________

ङ. तुम मेहनत करोगी। तुम्हें सफलता अवश्य मिलेगी। ____________________

4. प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क. समुच्चयबोधक किसे कहते हैं?

ख. समानाधिकरण समुच्चयबोधक तथा व्यधिकरण समुच्चयबोधक में क्या अंतर है?

कार्यकलाप

विद्यार्थी अपनी पाठ्यपुस्तक का एक पाठ पढ़ेंगे। पाठ में आए ऐसे वाक्य ढूँढ़कर लिखेंगे, जिन्हें समुच्चयबोधक शब्दों द्वारा जोड़ा गया हो।

जाना-समझा

समुच्चयबोधक शब्द योजक भी कहलाते हैं।

28 वाक्य रचना की अशुद्धियाँ

जब शब्द वाक्य में प्रयुक्त होते हैं, तब पद बन जाते हैं। पद बनने पर वे व्याकरण के नियमों से बँध जाते हैं। वाक्य में प्रयुक्त सभी पद निश्चित क्रम में होने चाहिए। व्याकरण के नियमों के ज्ञान के अभाव में वाक्य रचना में अशुद्धियाँ हो जाती हैं। वाक्य में लिंग, वचन, कारक, सर्वनाम तथा पदक्रम-संबंधी अशुद्धियाँ प्रायः देखने में आती हैं।

वाक्य रचना में सामान्यतः पाई जानेवाली अशुद्धियाँ इस प्रकार हैं—

सर्वनाम-संबंधी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
1. दूध में कोई गिर गया है।	1. दूध में कुछ गिर गया है।
2. मेरे बस्ता खो गया है।	2. मेरा बस्ता खो गया है।
3. अब हमको जाना चाहिए।	3. अब हमें जाना चाहिए।
4. आप सभी सबका नाम बताएँ।	4. आप सभी अपना नाम बताएँ।
5. मेरे को कुछ कहना है।	5. मुझे कुछ कहना है।

लिंग-संबंधी अशुद्धियाँ

1. आज हमने दलिया बनाई है।	1. आज हमने दलिया बनाया है।
2. यह लेख किसी विद्वान स्त्री ने लिखा है।	2. यह लेख किसी विदुषी ने लिखा है।
3. तुम्हें सकुशल देखकर मेरी साँस-में-साँस आया।	3. तुम्हें सकुशल देखकर मेरी साँस-में-साँस आई।
4. उसके चेहरे पर दया टपक रहा था।	4. उसके चेहरे पर दया टपक रही थी।
5. कूड़े पर मक्खी भिनभिना रहा है।	5. कूड़े पर मक्खी भिनभिना रही है।

वचन-संबंधी अशुद्धियाँ

1. उसका प्राण निकल गया।	1. उसके प्राण निकल गए।
2. आपके दर्शनों को पाकर मैं धन्य हो गया।	2. आपके दर्शन पाकर मैं धन्य हो गया।
3. मेरे रोम-रोम तुम्हारे आभारी हैं।	3. मेरा रोम-रोम तुम्हारा आभारी है।
4. सभी लड़का पढ़ रहे थे।	4. सभी लड़के पढ़ रहे थे।
5. बागों में मोर नाच रहा था।	5. बाग में मोर नाच रहा था।

30 मुहावरे और लोकोक्तियाँ

किताबी कीड़ा

चित्र के आधार पर इन वाक्यों को समझें।

- किताबी कीड़ा का सामान्य अर्थ है—किताब का कीड़ा।
- किताबी कीड़ा का विशेष अर्थ है—सदा पढ़नेवाला।

> जो वाक्यांश, अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ में रूढ़ हो जाएँ, उन्हें मुहावरा कहते हैं।

मुहावरों का प्रयोग करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि मुहावरे केवल वाक्यांश होते हैं, उनका स्वतंत्र रूप से प्रयोग नहीं किया जा सकता। मुहावरों में प्रयुक्त शब्दों के समानार्थी रूप का प्रयोग नहीं किया जा सकता।

कुछ प्रचलित मुहावरे, उनके अर्थ तथा वाक्य-प्रयोग

1. अंक भरना (लिपटाना)
   माँ ने प्यार से अपनी बेटी को अंक भर लिया।
2. अक्ल का दुश्मन (मूर्ख)
   वह तो अक्ल का दुश्मन है, उससे यह काम नहीं हो पाएगा।
3. अपना ही राग अलापना (अपनी ही बात कहते जाना)
   तुम सब अपना ही राग अलापते जाओगे या मेरी भी सुनोगे।
4. अपनी खिचड़ी अलग पकाना (सबसे अलग रहना)
   यदि सभी अपनी खिचड़ी अलग पकाएँगे, तो परिवार की एकता समाप्त हो जाएगी।
5. अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना (अपनी प्रशंसा स्वयं करना)
   तुम अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनते हो, इसलिए तो सभी लोग तुम्हारी उपेक्षा करते हैं।

32 अपठित पद्यांश

अपठित गद्यांश की भाँति अपठित पद्यांश भी पाठ्यपुस्तक से न लेकर अन्य पत्र-पत्रिकाओं तथा पुस्तकों आदि से लिए जाते हैं। पद्यांश किसी कविता के अंश होते हैं, जिससे संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं। विद्यार्थियों को उन प्रश्नों के उत्तर पद्यांश में से ही देने होते हैं। इसलिए, विद्यार्थियों को चाहिए कि वे पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसका मूलभाव समझकर ही प्रश्नों के उत्तर दें।

अपठित पद्यांशों के कुछ उदाहरण

पद्यांश 1

वंदनीय वह देश, जहाँ के देशी निज-अभिमानी हों,
बाँधवता में बँधे परस्पर, परता के अज्ञानी हों।
निंदनीय वह देश, जहाँ के देशी निज अज्ञानी हों,
सब प्रकार परतंत्र, पराई प्रभुता के अभिमानी हों॥

प्र.1 कवि ने किस प्रकार के देश को वंदनीय कहा है?
उ. कवि ने उस देश को वंदनीय कहा है, जिसके निवासी स्वाभिमानी होते हैं।

प्र.2 कवि ने किस प्रकार के देश को निंदनीय कहा है?
उ. कवि ने ऐसे देश को निंदनीय कहा है, जिसके निवासी स्वाभिमानी नहीं हैं।

प्र.3 वंदनीय देश के निवासी किस प्रकार रहते हैं?
उ. वंदनीय देश के निवासी परस्पर मिलजुलकर रहते हैं।

प्र.4 निंदनीय देश के निवासी किस प्रकार रहते हैं?
उ. निंदनीय देश के निवासी सभी प्रकार से परतंत्र होकर रहते हैं।

प्र.5 'प्रभुता' तथा 'अभिमानी' शब्दों में लगे प्रत्यय अलग कीजिए।
उ. प्रभु + ता, अभिमान + ई

पद्यांश 2

कोटि-कोटि कंठों से निकली, आज यही स्वरधारा है,
भारतवर्ष हमारा है यह, हिंदुस्तान हमारा है।
जिस दिन सबसे पहले जागे, नव-सिरजन के स्वप्न घने,